ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class - VI

Subject- Sanskrit 3rd Language

पाठः - धातु -परिचयः|

By- Geethu praseed

2

धातु-परिचय:

****

किसी कार्य के करने या होने को क्रिया कहते हैं; जैसे-पढ़ना, खेलना, पीना, देना, आदि | संस्कृत में इन क्रियाओं को धातु कहते हैं तथा इनके अलग-अलग रूपों को धातुरूप कहते हैं; जैसे –पठ् धातु का अर्थ है पढ़ना तथा इसके रूप हैं-पठति, पठत: ,पठन्ति आदि | नीचे एक धातु के वर्तमान काल में रूप दिए जा रहे हैं-इसे लट् लकार कहते हैं |

पठ् (पढ़ना) - लट् लकार

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथम पुरुष -	पठति (वह पढ़ता है)	पठत: (वे दो पढ़ते हैं)	पठन्ति (वे सब पढ़ते हैं)
मध्यम पुरुष -	पठसि (तुम पढ़ते हो)	पठथ: (तुम दो पढ़ते हो)	पठथ (तुम सब पढ़ते हो)
उत्तम पुरुष -	पठामि (मैं पढ़ता हूँ)	पठाव: (हम दो पढ़ते हैं)	पठाम: (हम सब पढ़ते हैं)

अपरिवर्तनीय धातुएँ

ऐसी धातुएँ जिनका रूप एक समान रहता है, परिवर्तित नहीं होता, वे अपरिवर्तनीय धातुएँ कहलाती हैं |

धातु:		अर्थ:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
नम्		नमस्कार करना	नमति	नमत:	नमन्ति
वद्		बोलना	वदति	वदत:	वदन्ति
भ्रम्	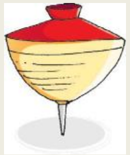	घूमना	भ्रमति	भ्रमत:	भ्रमन्ति
हस्		हँसना	हसति	हसत:	हसन्ति

धाव्		दौड़ना	धावति	धावत:	धावन्ति
पठ्		पढ़ना	पठति	पठत:	पठन्ति
क्रीड्		खेलना	क्रीडति	क्रीडत:	क्रीडन्ति
खाद्		खाना	खादति	खादत:	खादन्ति
खेल्		खेलना	खेलति	खेलत:	खेलन्ति

परिवर्तनीय धातुएँ

संस्कृत में कुछ धातुओं का रूप परिवर्तित हो जाता है | वे परिवर्तनीय धातुएँ कहलाती हैं | कुछ ऐसी धातुओं के प्रथम पुरुष, लट् लकार के रूप नीचे दिए जा रहे हैं–

धातु:		**अर्थ:**	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
गम् (गच्छ्)		जाना	गच्छति	गच्छत:	गच्छन्ति
भू (भव्)		होना	भवति	भवत:	भवन्ति
दा (यच्छ्)		देना	यच्छति	यच्छत:	यच्छन्ति
पा (पिब्)		पीना	पिबति	पिबत:	पिबन्ति

दृश् (पश्य)		देखना	पश्यति	पश्यत:	पश्यन्ति
तृ (तर्)		तैरना	तरति	तरत:	तरन्ति
घ्रा (जिघ्र्)		सूँघना	जिघ्रति	जिघ्रत:	जिघ्रन्ति
स्था (तिष्ठ्)		बैठना/ ठहरना	तिष्ठति	तिष्ठत:	तिष्ठन्ति

अभ्यास

सम्प्रति लेखनीयम्

1.कोष्ठकात् उचितम् उत्तरं चिनुत | (कोष्ठक में से सही उत्तर चुनिए| Choose the right answer from the bracket.)

(क) हसन्ति (हँसता है , हँसते हैं) ....

(ख) खादत: (दो खाते हैं , वे खाते हैं) ....

(ग) वदति (दो बोलते हैं , बोलता है) ....

(घ) नमन्ति (नमस्कार करते हैं , नमस्कार करता है) ....

(ङ) जिघ्रत: (सूँघता है , दो सूँघते हैं) ....

(च) पश्यन्ति (देखते हैं , दो देखते हैं) ....

2.अर्थं लिखत | (अर्थं लिखिए| Write the meanings.)

(क) खाद् - .... (ख) भ्रमत: - ....

(ग) नेत्रे - .... (घ) क्रीडन्ति - ....

(ङ) मधुमक्षिका - .... (च) पिबति - ....

(छ) व्यजने - .... (ज) दृश् - ....

भाषा-अवबोधनम्

1.शब्दार्थमेलनं कुरुत | (शब्दों को अर्थों से मिलाइए| Match the words with their meanings.)

(क) पठ्	(i) होना
(ख) पठति	(ii) दो लिखते हैं
(ग) वद्	(iii) पढ़ना
(घ) लिखति	(iv) खाना
(ङ) लिखत:	(v) बोलना
(च) भू	(vi) होते हैं
(छ) भवन्ति	(vii) लिखता है
(ज) खाद्	(viii) पढ़ता है

2.धातूनां परिवर्तितं रूपं लिखत | (धातुओं के परिवर्तित रूप लिखिए| Write the changed forms of the verbs.)

धातु:	परिवर्तितं रूपम्	धातु:	परिवर्तितं रूपम्
गम् -	गच्छ्	स्था -	तिष्ठ्
(क) भू -	....	(ख) दा -	....
(ग) पा -	....	(घ) दृश् -	....
(ङ) तृ -	....	(च) घ्रा -	....

मूल्यपरकम्

1. किं त्वं पठनसमये पठसि क्रीडासमये खेलसि च ? (क्या तुम पढ़ने के समय पर पढ़ाई और खेलने के समय पर खेलते हो ?)

2. किं त्वं यथासमये विद्यालयं गच्छसि ? (क्या तुम समय पर विद्यालय जाते हो ?)

****

उत्तराणि |

****

सम्प्रति लेखनीययम्

1.कोष्ठकात् उचितम् उत्तरं चिनुत | (कोष्ठक में से सही उत्तर चुनिए| Choose the right answer from the bracket.)

(क) हँसते हैं

(ख) दो खाते हैं

(ग) बोलता है

(घ) नमस्कार करते हैं

(ङ) दो सूँघते हैं

(च) देखते हैं

2.अर्थं लिखत | (अर्थं लिखिए | Write the meanings.)

(क) खाद्	- खाना	(ख) भ्रमत:	- दो घूमते हैं
(ग) नेत्रे	- दो आँखें	(घ) क्रीडन्ति	- खेलते हैं
(ङ) मधुमक्षिका	- मधुमक्खी	(च) पिबति	- पीता है
(छ) व्यजने	- दो पंखे	(ज) दृश्	- देखना

भाषा-अवबोधनम्

1.शब्दार्थमेलनं कुरुत | (शब्दों को अर्थों से मिलाइए| Match the words with their meanings.)

(क) पठ्	(i) पढ़ना
(ख) पठति	(ii) पढ़ता है
(ग) वद्	(iii) बोलना
(घ) लिखति	(iv) लिखता है
(ङ) लिखत:	(v) दो लिखते हैं
(च) भू	(vi) होना
(छ) भवन्ति	(vii) होते हैं
(ज) खाद्	(viii) खाना

2.धातूनां परिवर्तितं रूपं लिखत | (धातुओं के परिवर्तित रूप लिखिए| Write the changed forms of the verbs.)

धातु:	परिवर्तितं रूपम्	धातु:	परिवर्तितं रूपम्
(क) भू -	भव्	(ख) दा -	यच्छ्
(ग) पा -	पिब्	(घ) दृश् -	पश्य्
(ङ) तृ -	तर्	(च) घ्रा -	जिघ्र्

मूल्यपरकम्

- अहं पठनसमये पठामि क्रीडासमये क्रीडामि च |
- आम् , अहं यथासमये विद्यालयं गच्छामि |

****

धन्यवादः ।

****